आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 115 | उज्जैन, मंगलवार 18 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सार्वजनिक प्याऊ किए जाएं प्रारंभ-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शहरों और ग्रामों में नागरिकों के लिए सुनिश्चित करें पीने के पानी का प्रबंध

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के लिए पर्याप्त पेयजल प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सार्वजनिक प्याऊ स्थापित कर राहगीरों के लिए भी पीने के पानी का प्रबंध किया जाए। शहरों में प्रत्येक मोहल्ले में पेयजल की उपलब्धता, पानी की टंकियों की स्वच्छता और व्यवस्थित पेयजल वितरण जैसे कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हों। ग्रामों में नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन से ग्रामीण आबादी को लाभान्वित

किया जाए। हर घर में टोंटी से जल पहुंचाने के कार्य पूर्ण किए जाएं। जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या है, वहां लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्थानीय निकाय मिलकर नागरिकों के लिए समाधान की कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई एक बैठक में पेयजल प्रबंधों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रीमती संपतिया उइके, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में धरती आबा उत्कर्ष अभियान में अन्य विभागों के सहयोग से पेयजल प्रबंध के कार्य भी सम्पन्न किए जाएं। अन्य ग्रामों में एकल ग्राम नल-जल योजना और जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल घोषित ग्रामों में पेयजल की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

भारत में बन रही दुनिया की सबसे बड़ी हाइपरलूप ट्यूब, 1000KM प्रति घंटे होगी रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में आईआईटी मद्रास में हाइपरलूप परीक्षण सुविधा का दौरा किया। यहां पर उन्होंने कहा कि विकसित की जा रही हाइपरलूप ट्यूब जल्द ही दुनिया की सबसे लंबी हो जाएगी, जिसकी लंबाई 410 मीटर होगी।

वहीं, केंद्रीय रेल मंत्री ने यह भी कहा कि हाइपरलूप प्रोजेक्ट के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट टेक्नोलॉजी चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में बनाई जाएगी। जानकारी दें कि आईआईटी मद्रास में 410 मीटर लंबी हाइपरलूप टेस्ट ट्यूब को एशिया की सबसे लंबी हाइपरलूप परीक्षण सुविधा का खिताब प्राप्त है। केंद्रीय मंत्री ने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि एशिया में सबसे लंबी हाइपरलूप ट्यूब (410 मीटर) जल्द ही दुनिया की सबसे लंबी होगी। बता दें कि हाइपरलूप एक तरीके की परिवहन व्यवस्था है। जो आम परिवहन तरीकों से काफी अलग है। ये एक प्रकार की हाई-स्पीड ट्रेन है, जो पूरी तरीके से वैक्यूम ट्यूब में ट्रैवल करती है।

भारत अमेरिका के बीच सहयोग की कोई सीमा नहीं, आतंकवाद पर भी तुलसी गबार्ड का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड इस समय भारत के दौरे पर हैं। नई दिल्ली पहुंची तुलसी गबार्ड ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस्लामी आतंकवाद के खतरे को हराने की प्रतिबद्धता को दोहराया। तुलसी गबार्ड ने कहा कि यह अमेरिकी लोगों के लिए सीधा खतरा बना हुआ है।

इसके साथ अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने यह भी कहा कि इस खतरे को गंभीरता से लेते हैं। गबार्ड ने कहा कि दोनों नेता इस खतरे की पहचान करने और उसे हराने के लिए मिलकर काम करेंगे। वहीं, अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच सहयोग की कोई सीमा नहीं है।

आतंकवाद को हराना ट्रंप की प्रतिबद्धता- अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि इस्लामी आतंकवाद अमेरिकी लोगों के लिए सीधा खतरा बना हुआ है।

परिसीमन से कितना बदल जाएगा लोकसभा सीटों का गणित, दक्षिण भारतीय राज्य क्यों कर रहे हैं विरोध?

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा और विधानसभाओं में जनसंख्या के आधार पर संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए परिसीमन किया जाता है। आजादी के बाद संविधान निर्माताओं ने तय किया कि सीटों का निर्धारण जनसंख्या के आधार पर किया जाएगा और इसके लिए संविधान में परिसीमन की व्यवस्था की गई।

अब तक देश में चार बार परिसीमन आयोग गठित किए जा चुके हैं और इनके आधार पर लोकसभा की सीटें भी बढ़ाई जा चुकी हैं। संविधान निर्माताओं ने शायद ही इस बात की कल्पना की होगी कि भविष्य में परिसीमन को लेकर भी विवाद होगा और यह देश में विभाजन का हथियार बन सकता है।

तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के कुछ राज्य परिसीमन का विरोध कर रहे हैं। इन राज्यों का कहना है कि अगर जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों की संख्या तय की जाएगी तो उनको नुकसान होगा क्योंकि उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण की नीतियों को प्रभावी तरीके से लागू किया है।

उनका मानना है कि एक तरह से यह अच्छे काम के लिए दंडित करने के समान होगा। दूसरी तरफ उत्तर भारत के राज्यों में जनसंख्या तेजी से बढ़ी है और इन राज्यों को राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मोर्चे पर फायदा होगा।

जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व की व्यवस्था और परिसीमन के विरोध के कारणों क्या हैं?

परिसीमन आबादी में हुए बदलाव के आधार पर संसदीय और विधानसभा की सीटों की संख्या निर्धारित करने की प्रक्रिया है। मोटे तौर पर इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या लगभग बराबर रहे।

बैंक, रेलवे और डाक सेवा जैसी सरकारी शिकायतें मिनटों में करें दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में, जब हर दफ्तर, कार्यालय और सरकारी संस्थानों में डिजिटलाइजेशन हो रहा है, ऐसे में अभी भी काफी ऐसे लोग हैं, जो सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है।

बैंक, रेलवे, डाक सेवा या अन्य सरकारी संस्था से जुड़ी कोई समस्या है और उसका समाधान नहीं मिल रहा है, तो [illegible] (केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगराणी प्रणाली) के जरिए ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकता हैं और घर बैठे आपकी समस्या का समाधान हो सकता है।

शिकायत कैसे कराए दर्ज- पोर्टल पर जाएं pgportal.gov.in वेबसाइट पर जाना है और होमपेज पर लॉज पब्लिक ग्रीवेंस के ऑप्शन पर क्लिक करना है।

शिकायत करें दर्ज- मोबाइल नंबर या ईमेल से साइन अप/लॉगइन करें। संबंधित विभाग या मंत्रालय का चयन करें। अपनी शिकायत लिखें और जरूरी कागजात अपलोड करें।

शिकायत सबमिट और ट्रैक- शिकायत सबमिट करने के बाद शिकायत नंबर मिलेगा। ट्रैक यूजर ग्रीवांस सेक्शन में जाकर स्थिति देख सकते हैं।

समाधान न मिलने पर अपील- तय समय में समाधान न मिलने पर अपीलीय अधिकारी के पास अपील कर सकते हैं।

बता दें, CPGRAMS पोर्टल हिन्दी और अंग्रेजी समेत 23 भाषा में उपलब्ध है।

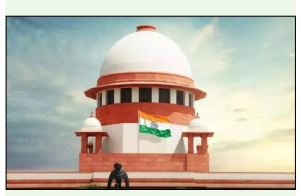

सीएजी नियुक्ति की प्रक्रिया पर उठे सवाल, तो सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति के नियमों में संशोधन की मांग करने वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है।

याचिका में राष्ट्रीय लेखा परीक्षक चुनने के लिए प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश से मिलकर एक पैनल बनाने की मांग की है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान एनजीओ का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील प्रशांत भूषण ने पीठ के समक्ष दलील दी कि संस्था की स्वतंत्रता का सवाल है।

सीधे टॉप लेवल पर चल रही बात, टैरिफ धमकी पर तुलसी गबार्ड का बड़ा बयान; कहा- PM मोदी और ट्रंप अच्छे दोस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली पहुंचीं अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने कहा कि टैरिफ के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच टॉप लेवल पर सीधी बातचीत हो रही है। गबार्ड ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में मैंने भारत सरकार के अधिकारियों से बात की है। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि भारतीय अधिकारी इसे नकारात्मक दृष्टिकोण से देखने के बजाय सकारात्मक ले रहे हैं।

अच्छे समाधान की तलाश

गबार्ड ने आगे कहा कि जैसे पीएम मोदी अपने देश की अर्थव्यवस्था और लोगों के लिए उपलब्ध अवसरों को सर्वोत्तम हित में देख रहे हैं। ठीक उसी प्रकार राष्ट्रपति ट्रंप भी अमेरिकी लोगों और आर्थिक हितों यही करने में जुटे हैं। पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप बेहतरीन समाधान की तलाश में हैं।

टॉप लेवल पर चल रहा सीधा संवाद- तुलसी गबार्ड ने कहा कि सबसे सकारात्मक बात यह है कि हमारे पास दो ऐसे नेता हैं, जिन्हें मुद्दों की सामान्य समझ है और अच्छे समाधान की तलाश में हैं। सीधा संवाद दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर चल रहा है। मगर विभिन्न सचिवों और कैबिनेट सदस्यों के बीच यह तय करने में अहम होगा कि आगे का रास्ता कैसा होगा? मैं व्यक्तिगत रूप से उत्साहित हूं क्योंकि भारत और अमेरिका में निजी क्षेत्र में गहरी दिलचस्पी है। साझेदारी को मजबूत करने का बड़ा अवसर

तुलसी गबार्ड ने कहा कि पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच गहरी दोस्ती है। यही दोस्ती दोनों देशों के बीच आपसी साझेदारी को बढ़ाने की आधारशिला है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे नए प्रशासन के साथ संबंधों की दिशा पीएम मोदी की व्हाइट हाउस यात्रा के दौरान तय हुई। जैसा कि आप जानते हैं कि वे पहले से ही अच्छे दोस्त हैं। यह भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी को मजबूत करने का एक बड़ा अवसर था।

इन क्षेत्रों पर मजबूत होगी साझेदारी- गबार्ड ने कहा कि यहां विभिन्न भारतीय सरकारी और खुफिया अधिकारियों के साथ हुई हमारी बैठकों का आधार यह रहा है कि कैसे हम अपने संबंधों को मजबूत करना जारी रख सकते हैं? न केवल खुफिया बल्कि हम वाणिज्य, व्यापार, रक्षा और शिक्षा के क्षेत्र पर भी विचार कर रहे हैं। मैं अमेरिका-भारत साझेदारी में केवल अवसर ही देख रही हूं। बातचीत के दौरान तुलसी ने महाभारत समेत कई मुद्दों पर खुलकर बात की।

पीएम मोदी के इस बयान का मुरीद हुआ चीन, जमकर करने लगा तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी। पीएम मोदी के बयान की सराहना करते हुए चीन ने कहा कि ड्रैगन और हाथी के बीच बैले नृत्य एकमात्र विकल्प है। चीन ने भारत के साथ मिलकर काम करने की इच्छा दोहराई है। हाल ही में पीएम मोदी ने अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बातचीत में कहा था कि दोनों देशों को मतभेद की जगह संवाद को प्राथमिकता देना चाहिए।

पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के बीच 2020 में हुई झड़प के बाद तनाव पैदा हुआ। इसे कम करने के लिए राष्ट्रपति शी के साथ बातचीत हुई। इसके बाद भारत-चीन सीमा पर स्थिति सामान्य हुई।

पड़ोसियों के बीच मतभेद स्वाभाविक

पीएम मोदी ने आगे कहा कि पड़ोसियों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं। मगर हमारे प्रयासों का उद्देश्य यह तय करना है कि मतभेद विवादों में न बदल जाएं और मतभेद के बजाय संवाद को प्राथमिकता दी जाए। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि दोनों देशों ने एक समय वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 50 फीसद से अधिक का योगदान दिया था। हमारा सहयोग पारस्परिक रूप से न केवल लाभकारी है बल्कि वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए भी जरूरी है।

चीन ने की पीएम मोदी की सराहना-

पीएम मोदी के इसी बयान पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक मीडिया ब्रीफिंग में अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि चीन ने पीएम मोदी के हालिया बयान पर ध्यान दिया है। चीन इसकी सराहना करता है।

माओ ने आगे कहा कि पिछले साल अक्टूबर में रूस के कजान में पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच सफल द्विपक्षीय बैठक हुई। इस बैठक ने संबंधों के सुधार और विकास के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया। दोनों पक्षों ने आम समझ पर ईमानदारी से काम किया और सकारात्मक रिजल्ट हासिल किया।

2000 वर्ष पुराने आपसी संबंध- चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि 2000 से अधिक वर्षों के आपसी संबंधों के इतिहास में दोनों देशों ने दोस्ताना आदान-प्रदान जारी रखा। दोनों देशों ने एक-दूसरे से सीखा। दो सबसे बड़े विकासशील देशों के तौर पर चीन और भारत ने अपने विकास और पुनरोद्धार के काम को साझा किया। एक-दूसरे की सफलताओं को समझा और उनका समर्थन किया।

माओ ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग 2.8 अरब से अधिक लोगों के मौलिक हितों और क्षेत्रीय देशों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करता है।

Trump ने शेयर किया PM मोदी का पॉडकास्ट, प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति को बताया था दिलेर; एक घटना का किया जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में मशहूर पॉडकास्टर और AI रिसर्चर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंटरव्यू को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने निजी सोशल मीडिया अकाउंट ट्रूथ पर शेयर किया है।

इंटरव्यू के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपने मजबूत रिश्तों पर चर्चा की। जब उनसे पूछा गया कि दोस्त और नेता के रूप में ट्रंप के बारे में उन्हें क्या पसंद है? इस सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने एक पुरानी घटना का

जिक्र किया।

उन्होंने अमेरिका के ह्यूस्टन में आयोजित हाउडी मोदी कार्यक्रम का जिक्र किया। उन्होंने कहा,÷मैं और राष्ट्रपति ट्रंप वहां मौजूद थे। पूरा स्टेडियम लोगों से खचाखच भरा हुआ था। इतने लोगों का एक जगह पर एकत्र होना अमेरिका के लिए बहुत बड़ी घटना थी। मैंने जब भाषण दे रहा था तो राष्ट्रपति ट्रंप स्टेडियम में कुर्सी पर बैठकर मेरा भाषण सुन रहे थे। यह उनका बड़प्पन है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा,÷भाषण देने के बाद जब मैं मंच से नीचे गय और मैंने ट्रंप से अनुरोध किया कि आइए हम स्टेडियम का एक चक्कर लगाते हैं और लोगों को नमस्ते कहते हैं तो राष्ट्रपति ट्रंप ने तुरंत मेरी बात मान ली। ट्रंप के भीड़ में जाने से अमेरिका का सुरक्षा तंत्र बेचैन हो गया। इस घटना से उनकी दिलेरी का पता चलता है। ट्रंप का यह व्यवहार मेरे दिल को छू गया।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं भारत फर्स्ट वाला हूं और ट्रंप अमेरिका फर्स्ट वाले हैं।

रूस-यूक्रेन संघर्ष तभी सुलझेगा जब दोनों पक्ष वार्ता करेंगे- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष कभी भी युद्ध के मैदान में नहीं सुलझ सकता। इसका समाधान तभी होगा जब दोनों पक्ष वार्ता की मेज पर बैठेंगे।

Sunita Williams की वापसी के समय का हुआ एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरिक्ष में फंसे सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर को वापस लाने के तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। पिछले 9 महीनों से अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में फंसे दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को 19 मार्च को सफलतापूर्वक धरती पर वापस लाया जाएगा। नासा ने दोनों के वापसी को लेकर बड़ा अपडेट दिया है।

कहां उतरेगा SpaceX का कैप्सूल- नासा ने रविवार शाम को एक बयान में कहा कि दोनों अंतरिक्ष यात्री 18 मार्च (मंगलवार) को धरती पर वापसी करेंगे। नासा ने फ्लोरिडा तट दोनों यात्रियों के उतरने की उम्मीद जताई जा रही है।

वहीं, नासा वापसी की लाइव कवरेज भी टेलीकास्ट करने जा रहा है। लाइव कवरेज की शुरुआत ड्रैगन अंतरिक्ष यान के हैच बंद करने की तैयारी से शुरू होगी। नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रोस्कोस्मोस (रूस) के अंतरिक्ष यात्री अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी ड्रैगन कैप्सूल से वापस आएंगे। बता दें कि शुक्रवार (14 मार्च) को स्पेसएक्स ने Crew-10 मिशन लॉन्च किया था। फॉल्कन-9 रॉकेट से Crew Dragaon कैप्शूल को लॉन्च किया गया था।

पाकिस्तान में जमीयत के हाई-प्रोफाइल नेता की हत्या, क्वेटा में मुफ्ती अब्दुल पर चली ताबड़तोड़ गोलियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के आतंकी गतिविधियों से जुड़े लोगों को सफाया हो रहा है। जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई) के वरिष्ठ नेता मुफ्ती अब्दुल बाकी नूरजई की रविवार रात क्वेटा के एयरपोर्ट रोड पर हत्या कर दी गई। अज्ञात बंदूकधारियों ने उसपर गोलियां चलाई। पुलिस ने जानकारी दी कि हमले में वो बुरी तरह घायल हो गया था, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया।

बता दें कि रविवार को क्वेटा में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों ने आतंकी हमले को अंजाम दिया है। क्वेटा के ताफ्तान जा रहे सेना के काफिले पर आतंकी हमला हुआ। इस हमले में सात सैनिकों की मौत हो गई।

वहीं, 21 घायल हो गए। बलूच लिबरेशन आर्मी ने 90 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत का दावा किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी भी ली है।

बताते चलें कि रविवार को पाकिस्तान में आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा के मोस्ट वांटेड आतंकी अबु कताल सिंघी की हत्या कर दी गई है। शनिवार रात 8 बजे अबु कताल को मौत के घाट उतार दिया गया।

BLA के हमले से कांप उठा पाकिस्तान, आर्मी काफिले पर सुसाइड अटैक का वीडियो आया सामने; हुआ था जोरदार धमाका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तान में पहले ट्रेन हाईजैक की घटना को अंजाम दिया था। फिर बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी आर्मी के काफिले पर हमला कर पांच लोगों को मार दिया था। इस हमले का वीडियो खुद बलूच विद्रोहियों ने जारी किया है।

बस को बनाया था निशाना- बलूच विद्रोहियों ने बलूचिस्तान के नोशकी में एक हाइवे पर इस हमले को अंजाम दिया था। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है और इसका वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक विस्फोट के बाद एक बस से धुएं का गुब्बार निकल रहा है।

पाकिस्तान के एक पुलिस अधिकारी ने हमले के बारे में बताया कि घटनास्थल से मिले सबूतों से पता चलता है कि आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरे वाहन को काफिले में घुसा दिया था।

न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस अधिकारी ने बताया, विस्फोट के बाद कुछ अन्य आतंकवादियों ने एफसी कर्मियों पर गोलियां चला दी थीं। लेकिन जवाबी गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए। हमले में तीन सैनिक और दो नागरिक भी मारे गए हैं।

36 घंटे तक ट्रेन को किया था हाईजैक- इस हमले से पहले बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने क्वेटा में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन को हाईजैक कर लिया था। आम लोगों के साथ-साथ आर्मी के जवानों को 36 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया था।

बता दें, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से सटे बलूचिस्तान में सक्रिय सबसे मजबूत विद्रोही समूह है। बलूचिस्तान आजादी के लिए लड़ रहा है और यहां पर ऐसे ग्रुप सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाकर अक्सर हमले करते रहते हैं।

तो क्या अगला नंबर हाफिज सईद का? अबू कताल की तरह मारा जा सकता है 26/11 हमले का मास्टरमाइंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में रविवार को लश्कर ए तैयबा आतंकी अबू कताल सिंधी मारा गया। जम्मू के रियासी में तीर्थयात्रियों की हत्या की साजिश रचने वाले अबू कताल की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इस हमले में 2008 के मुंबई हमले का साजिशकर्ता और लश्कर-ए- तैयबा का संस्थापक अंतरराष्ट्रीय आतंकी हाफिज सईद के भी घायल होने की खबर है, जिसका इलाज रावलपिंडी के सैन्य अस्पताल में चल रहा है। हालांकि, उसके स्वास्थ्य को लेकर कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है।

हमले के बाद हाफिज सईद ने बढ़ा दी होगी अपनी सुरक्षा- रॉबिंदर सचदेवा- समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए विदेश मामलों के जानकार रॉबिंदर सचदेवा ने कहा, हाफिज सईद के करीबी की हत्या हो गई है, जिसका मतलब है कि जो उन्हें ट्रैक कर रहे थे, वो हाफिज सईद को काफी करीब से ट्रैक कर रहे थे। कहा जाता है कि जो तलवार के सहारे जीते हैं, वो तलवार से ही मरते हैं। हाफिज सईद के साथ भी ऐसा ही हो सकता है। सचदेवा ने अनुमान लगाया कि सईद ने अपने भतीजे की हत्या के बाद अपनी सुरक्षा कड़ी कर दी होगी।

पाकिस्तानी सेना से मदद मांग सकता है हाफिज सईद- उन्होंने कहा कि हाफिज सईद का अगला कदम अपनी सुरक्षा बढ़ाना और पाकिस्तानी सेना से मदद मांगना हो सकता है, हालांकि वे पहले से ही उसे सुरक्षा दे रहे हैं।

अमेरिका में टार्गेट पर हैं बुजुर्ग भारतीय! ग्रीन कार्ड धारकों को कार्ड सरेंडर के लिए किया जा रहा मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में इमिग्रेशन वकीलों को ग्रीन कार्ड धारकों (जिनमें भारतीय भी शामिल हैं) की संख्या में वृद्धि देखने को मिल रही है, जिन्हें दो-दो निरीक्षण से गुजरना पड़ रहा है, जिसमें यूएस कस्टम और बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीबीपी) अधिकारियों द्वारा प्रवेश के हवाई अड्डों पर रात भर हिरासत में रखना शामिल है।

सर्दियों में भारत आ जाने वाले लोग हो रहे टार्गेट

कुछ लोगों पर स्वेच्छा से अपना ग्रीन कार्ड छोड़ने के लिए %दबाव% भी डाला जाता है। बुजुर्ग भारतीय जो अपने बच्चों के साथ अमेरिका में रहते हैं, लेकिन सर्दियों के महीने भारत में बिताते हैं, वे विशेष रूप से अतिसंवेदनशील होते हैं। इस मामले को लेकर वकीलों ने एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। उन्होंने कहा, अपना ग्रीन कार्ड सरेंडर न करें। ग्रीन कार्ड धारक को इमिग्रेशन जज द्वारा सुनवाई का अधिकार है। आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम (आईएनए) के तहत, एक वैध स्थायी निवासी (एलपीआर), जिसे ग्रीन कार्ड धारक भी कहा जाता है, जो 180 दिनों से अधिक समय तक अमेरिका से बाहर रहता है, उसे %पुनः प्रवेश% चाहने वाला माना जाता है और उसे अस्वीकार्यता के आधार पर रखा जाता है। जबकि ग्रीन कार्ड की स्थिति को छोड़ने (त्यागने) का मुद्दा आम तौर पर तब उठता है जब व्यक्ति एक वर्ष (365 दिन) से अधिक समय तक अमेरिका से बाहर रहा हो।

दक्षिण भारतीय राज्यों की मांग- 2026 नहीं, 2031 में कराया जाए परिसीमन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संविधान में साफ लिखा है कि हर 10 वर्ष पर जनगणना होगी और उसके आंकड़ों के आधार पर हर 10 वर्ष में परिसीमन होगा और सीटें बढ़ेंगी। ऐसा 1951 में, 1961 में और 1971 में हुआ। फिर दक्षिण भारत के लोगों ने देखा कि हम लोग तो विकसित हो रहे हैं और अपनी जनसंख्या को स्थिर कर लिया है। वहीं उत्तर भारत में जनसंख्या बढ़ती जा रही है। जैसे यूपी की लोकसभा सीटें उसी समय बढ़कर 85 हो गई थीं।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओम प्रकाश रावत बताते हैं, दक्षिण भारत के राज्यों ने कहा कि यह तो ठीक नहीं है। हम भी ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे तो देश बर्बाद होगा। उस समय पूरी दुनिया में जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए परिवार नियोजन की नीतियों पर जोर था। ऐसे में 1996 तक के लिए परिसीमन को फ्रीज किया गया कि 1996 तक सीटें नहीं बढ़ीं।

फिर 2001 में भी तय किया गया कि 2026 तक सीटें नहीं बढ़ेंगी। उस समय भी यही कहा गया कि उत्तर भारत के राज्य अंधाधुंध जनसंख्या बढ़ा रहे हैं, ऐसे में परिसीमन होगा तो इन राज्यों की सीटें ज्यादा बढ़ेंगी। उस समय फिर परिसीमन को 25 वर्ष के लिए फ्रीज कर दिया गया।

उस समय यह माना गया था कि 2026 तक उत्तर भारत के राज्य जनसंख्या को स्थिर कर लेंगे, लेकिन अब भी ऐसा नहीं हुआ है। अब भी जनसंख्या उत्तर भारत के राज्यों में ही ज्यादा बढ़ रही है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओम प्रकाश रावत के मुताबिक, केरल का एक सांसद 18 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। वहीं राजस्थान का सांसद 33 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है।

सोना तस्करी मामले में बढ़ा सियासी विवाद, भाजपा ने कहा- दो मंत्री शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोना तस्करी मामले में दो वर्तमान मंत्रियों की कथित संलिप्तता को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच सोमवार को भी टकराव जारी रहा। भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पर सोना तस्करी मामले में शामिल होने का आरोप लगाया। वहीं कर्नाटक कांग्रेस ने उसे दोनों मंत्रियों के नाम उजागर करने की चुनौती दी है।

भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने दावा किया कि उनके पास दो मंत्रियों की संलिप्तता के बारे में सारी जानकारी है। यतनाल ने रविवार को कहा कि जो भी रान्या राव से जुड़ा है और जिसने भी उसे सुरक्षा प्रदान की है, मैं सदन में सब कुछ उजागर करूंगा। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए रान्या राव पर आपत्तिजनक टिप्पणी भी की। सोमवार को बेंगलुरु के विधान सौध में मीडिया से बात करते हुए विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि दो मंत्रियों के शामिल होने की बातें जोर पकड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को अब तक स्पष्टीकरण जारी कर देना चाहिए था। जिस तरह से इस मामले को संभाला जा रहा है, उससे यह स्पष्ट है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार इसमें शामिल है।

कब तक गरीबी को करते रहेंगे पुरस्कृत..., एक्सपर्ट ने बताया दक्षिण भारतीय राज्यों के विरोध के पीछे की असली वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश साल 2026 में परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। यह परिसीमन भारतीय लोकतंत्र को कैसे प्रभावित करेगा इससे देश में लोकसभा सीटों की कुल संख्या में इजाफा होगा। 1971 में भारत की आबादी 54.8 करोड़ थी। आज यह 146 करोड़ से अधिक है। यानी इस अवधि में आबादी में 260 प्रतिशत से अधिक इजाफा हुआ है।

साल 1971 में एक सांसद ने अपने निर्वाचन क्षेत्र के औसतन 10 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व किया। आज यह संख्या करीब 27 लाख है। वहीं अमेरिका में एक प्रतिनिधि करीब 5 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में अगर हम चाहते हैं कि लोकतंत्र में लोगों को उचित प्रतिनिधित्व मिले तो सीटों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। अगर ऐसा है तो कुछ राज्य परिसीमन को लेकर आपत्ति क्यों जता रहे हैं।

आईआईएम बेंगलुरु के संस्थापक अध्यक्ष एडीआर और प्रोफेसर त्रिलोचन शास्त्री बताते हैं कि परिसीमन न सिर्फ सीटों की संख्या में इजाफा करेगा, बल्कि सीटों की संख्या हर राज्य की आबादी के अनुपात में बढ़ेगी। असल मुद्दा यही है। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक सहित दक्षिण भारत के राज्यों की देश की आबादी में हिस्सेदारी करीब 2.5 प्रतिशत तक कम हो गई है।

10 सालों में कितने लोगों को रेलवे में मिली नौकरी? केंद्रीय मंत्री ने दिया जवाब; आगे का भी बताया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों से रेलवे में नौकरियों को लेकर काफी चर्चा रही है। इस बीच केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दस वर्षों में 5 लाख लोगों की भर्ती की गई है और 1 लाख अन्य की भर्ती चल रही है।

रेल मंत्री ने इसके साथ विपक्ष पर रेलवे में भर्ती के संबंध में गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हाल ही में हुई भगदड़ से संबंधित सीसीटीवी फुटेज सहित सभी डेटा सुरक्षित हैं और एक उच्च स्तरीय समिति घटना की जांच कर रही है।

10 साल में पांच लाख लोगों को नौकरियां- राज्यसभा में रेल मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब देते हुए वैष्णव ने उच्च सदन को बताया कि रेलवे के कुल 12 लाख से अधिक कर्मचारियों में से 40 प्रतिशत की भर्ती पिछले दस वर्षों में की गई है। रेल मंत्री ने कहा कि कई सदस्यों ने कहा है कि कोई भर्ती नहीं हुई है। कोई ऐसा कैसे कह सकता है? मैं समझ नहीं पा रहा हूं। कोई सदस्य सदन में ऐसे भ्रामक तथ्य कैसे बता सकता है जो सच्चाई से बहुत दूर हैं?

1 लाख नौकरियों के लिए चल रही भर्ती- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले दस वर्षों में (रेलवे द्वारा) 5 लाख लोगों को रोजगार दिया गया और जैसा कि हम कह रहे हैं, 1 लाख लोगों की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। वहीं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से की गई है।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने हाल के दिनों में संपन्न लोको पायलटों की परीक्षा का उदाहरण दिया। इस परीक्षा में 18.4 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। यह परीक्षा 156 शहरों और 15 भाषाओं में 346 केंद्रों पर 15 शिफ्टों में पांच दिनों तक आयोजित की गई थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लेवल 1 से लेवल 6 की भर्ती के लिए परीक्षा में 2.32 करोड़ उम्मीदवार शामिल हुए और रिक्तियों को बिना किसी समस्या के भरा गया।

आगे की जांच CBI से कराने की मांग को SC ने किया खारिज, हाई कोर्ट जाने की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की शिकार प्रशिक्षु डाक्टर के माता-पिता को हाई कोर्ट में अपनी रिट याचिका आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को मामले में आगे होने वाली जांच की निगरानी का आदेश देने से किया इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह हाई कोर्ट को कोई आदेश जारी नहीं करेंगे लेकिन याचिकाकर्ता (माता-पिता) हाई कोर्ट के समक्ष अपनी याचिका जारी रख सकते हैं।

ये आदेश सोमवार को प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने पीड़ित माता-पिता की वकील की दलीलें सुनने के बाद जारी किए। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट में याचिका आगे बढ़ाने की अनुमति देते हुए उनकी अर्जी निपटा दी।

हालांकि, इससे पहले याचिकाकर्ता की वकील ने पीठ से अनुरोध किया था कि हाई कोर्ट को निर्देश दिया जाए कि वह मामले में आगे होने वाली जांच की निगरानी करे। लेकिन पीठ ने हाई कोर्ट को कोई भी आदेश देने से इनकार कर दिया। दाखिल अर्जी में पीड़ित माता पिता ने मांग की थी कि सीबीआई मामले की आगे जांच करे और उनकी बेटी की हत्या में मुख्य आरोपी संजय राय के अलावा अन्य व्यक्तियों की भूमिका का पता लगाए।

टास्कफोर्स के मामले पर सुनवाई टली- इसके अलावा पीठ ने स्वास्थ्य कर्मियों और डाक्टरों की सुरक्षा के मुद्दे पर टास्कफोर्स की सिफारिशों के मामले पर सुनवाई सोमवार को टाल दी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले को 13 मई से शुरू होने वाले सप्ताह में किसी ऐसे दिन सुनवाई पर लगाया जाए जिस दिन नए मामलों की सुनवाई का दिन न हो। पिछले वर्ष कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी।

कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण के खिलाफ कोर्ट जाएगी भाजपा, कहा- हम तुष्टीकरण की राजनीति के खिलाफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने के कर्नाटक सरकार के फैसले की आलोचना करते हुए भाजपा ने विधानसभा और पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। पार्टी ने इस फैसले को असंवैधानिक दुस्साहस बताते हुए कहा कि वह प्रदेश सरकार के इस कदम के खिलाफ सभी स्तरों पर लड़ेगी और वापस लिए जाने तक इसे कोर्ट में भी चुनौती देगी।

भाजपा आरक्षण लागू नहीं होने देगी- आर अशोक

बेंगलुरु में विधान सौध में मीडिया से बात करते हुए विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि भाजपा किसी भी कीमत पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार को निविदाओं/अनुबंधों में मुस्लिम कोटा लागू करने नहीं देगी। उन्होंने कहा, राज्य में बड़े पैमाने पर मुस्लिम तुष्टीकरण हो रहा है। आरक्षण अनुसूचित जाति के उत्थान के लिए है। संविधान सभी के लिए आरक्षण की अनुमति नहीं देता है।

कांग्रेस सरकार ने संविधान का उल्लंघन किया- उन्होंने आरोप लगाया कि अनुसूचित जाति के संवैधानिक अधिकारों को छीनकर केवल चुनावी लाभ के लिए मुसलमानों को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करके संविधान का उल्लंघन किया है। संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा मुस्लिमों के खिलाफ नहीं है, लेकिन हम कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को भाजपा को मुस्लिम समुदाय को बड़े पद देने की चुनौती दी थी।

मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि यह भाजपा ही है जिसने डॉ. अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति और नजमा हेपतुल्ला, जस्टिस एस. अब्दुल नजीर और मोहम्मद आरिफ खान को विभिन्न राज्यों का राज्यपाल नियुक्त किया था। आरक्षण के इस मुद्दे पर हमारा रुख बहुत स्पष्ट है और हम निश्चित रूप से कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति का विरोध करेंगे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

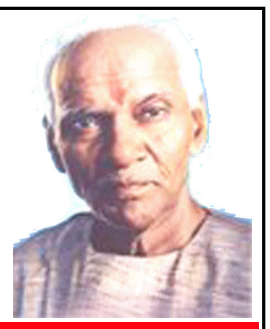

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृतीया

संपादकीय

अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं को भी आर्टिफिशियल बना दिया....

कुदरत द्वारा रचित सृष्टि की 84 लाख़ योनियों में सबसे अनमोल बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व ख़जाना धारे मानवीय योनिं नें सृष्टि में अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रयोग कर इस सृष्टि को कहां से कहां पहुंचा दिया है!!! सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं को भी आर्टिफिशियल बना दिया है!!! इतना ही नहीं एक आर्टिफिशियल रोबोट मानव भी बना दिया है बस अब एक कमीं रह गई है जो मानवीय मृत शरीर में जान फुकना और आर्टिफिशियल प्राकृतिक बच्चे प्रौद्योगिकी की तकनीकी पर बनाकर उसमें जान फ़ूककर जन्म देना रह गया है जो मेरा मानना है कि मानवीय जीव यह कभी नहीं कर सकेगा!!! धन, माया, नाम शोहरत की खातिर मानव ने अपने चोबीस घंटे उसमें लगा दिए हैं जिसमें अपने जीवन को भारी तनावग्रस्त के समंदर में झोंक दिया है परंतु संतुष्टि फिर भी नहीं मिलेगी क्योंकि यह मार्ग ऐसा है कि इस पथ पर फिसलता ही चला जाता है और अंतिम लम्हों में सादा और सहज जीवन जीने की याद आती है तबतक सब कुछ निकल चुका होता है।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख़, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही!!! जिसके पीड़ित मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है!!! और मानसिक विचारधारा सादा जीवन उच्च विचार की ओर लौटने की सोच को रेखांकित करती है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो यह सहज सरल जीवन की कुंजी है। सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता, चेतना आती है। दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं। मानव में दयालुता, सुविचार, मानवता, नम्रता झलकती है ऐसे मानवके समीप विक्कार जैसे द्वेष,अभिमान अहम, अहंकार जैसे अनेक विकारों को भी आने से डर लगता है क्योंकि यह रेखांकित करने वाली बात है कि जहां सादा जीवन रहेगा वहीं उच्च विचारों, गुणवत्ता, चेतना, संतुष्टि का निवास हो जाता है और जीवन सहज, सरलता खुशियों से लबालब हो जाता है!!!

साथियों बात अगर हम सहज, सरल जीवन की करें तो बड़े -बुजुर्गों के मुंह से सुनते आए हैं- जीवन में शांति ज़रूरी है और शांति से रहना अपने हाथ में है। शांति तभी मिल सकती है, जब जीवन सरल हो। कन्फ्यूशियस का कथन है- जीवन बेहद सरल है लेकिन हम उसे जटिल बनाने पर आमादा रहते हैं। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी हमेशा से सादा जीवन उच्च विचारों को अहमियत दी गई है। यूं भी कोई अस्त-व्यस्त, भ्रमित, दुविधाग्रस्त और दबाव में नहीं रहना चाहता। भीड़ चाहे लोगों की हो या वस्तुओं की, इच्छाओं की हो या अपेक्षाओं की, व्यक्ति की एकाग्रता को भंग करती है और उसे जीवन के अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति उदासीन बनाती है। भीड़ में खुद को गुम होने से बचाने का प्रयास ही सहज-सरल जीवन की कुंजी है।

साथियों बात अगर हम सादगी की करें तो, सादगी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता आती है। जैसे ही उसके भीतर यह चेतना आती है कि जीवन में क्या और क्यों महत्वपूर्ण है, वह इच्छाओं का सही प्रबंधन करने लगता है। इससे दुविधाएं कम होती हैं और दृष्टिकोण में स्पष्टता आती है।

राजा टोडरमल

राजा टोडरमल मुग़ल काल में सम्राट अकबर के नवरत्नों में से एक थे। टोडरमल खत्री जाति के थे और उनका वास्तविक नाम अल्ल टण्डन था। राजा टोडरमल का जन्म स्थान अवध प्रान्त के सीतापुर ज़िले के अन्तर्गत तारापुर नामक ग्राम है यद्यपि कुछ इतिहासज्ञ लाहौर के पास चूमन गाँव को इनका जन्मस्थान बतलाते हैं, पर वहाँ के भग्नावशेष ऐसे ऐश्वर्य का पता देते हैं जो इनके माताङ्कपिता के पास नहीं था। इनके पिता इन्हें बचपन में ही छोड़कर स्वर्ग सिधारे थे और इनकी विधवा माता ने किसी प्रकार से इनका पालन-पोषण किया था। कुछ बड़े होने पर माता की आज्ञा से यह दिल्ली आए और सौभाग्य से वहाँ पर उनकी नौकरी लग गई।

चार हज़ारी मनसब- वह समझदार लेखक और वीर सम्मतिदाता थे। अकबर की कृपा से बड़ी उन्नति करके चार हज़ारी मनसब और अमीरी और सरदारी की पदवी तक पहुँच गए।

अठारहवें वर्ष में अकबर के राज्य के 9वें वर्ष सन् 1564 ई. में टोडरमल ने मुजफ़्फ़र ख़ाँ की अधीनता में कार्य आरम्भ किया था

गुजरात का युद्ध- 17वें वर्ष सन् 1572 ई. में गुजरात की चढ़ाई पर यह अकबर के साथ में गए थे और बादशाह ने टोडरमल को सूरत का दुर्ग देखकर यह निश्चय करने भेजा था कि यह दुर्ग टूट सकता है या अभेद्य है। गुजरात प्रान्त में बादशाह के आने से विद्रोहियों के उपद्रव से साफ़ हो गया था। राजा कोष की विभाग की जाँच करने के लिए टोडरमल को छोड़ गए थे कि न्यायपरता के साथ जो कुछ निश्चित करें, उसी प्रकार की वेतन - सूची काम में लाई जाए।

बंगाल में नियुक्ति- 19वें वर्ष (सन 1574 ई.) में टोडरमल पटना विजय के अनन्तर झण्डा और डंका मिलने से सम्मानित होकर मुनइम ख़ाँ ख़ानख़ानाँ की सहायता के लिए बंगाल में नियुक्त हुए। यद्यपि सेनापतित्व और आज्ञा ख़ानख़ानाँ के हाथ में थी, पर सैन्य संचालन, सैनिकों को उत्साह दिलाने, साहस पूर्ण धावे करने और विद्रोहियों तथा शत्रुओं को दण्ड देने में राजा टोडरमल ने बड़ी वीरता दिखलाई।

दाऊद ख़ाँ किर्रानी के युद्ध में (जब ख़ाने आलम हरावल में मारा गया और ख़ानख़ाना कई घाव खाकर भाग गया तब भी) राजा टोडरमल दृढ़ता से डटा रहा और बहुत प्रयत्न करके ऐसे पराजय को विजय में परिणत कर दिया। ठीक युद्ध में (कि शत्रु विजय होने के घमण्ड में थे) ख़ाने आलम और ख़ानख़ानाँ के बुरे समाचार लाए, जिस पर राजा टोडरमल ने बिगड़ कर कहा कि,

यदि ख़ाने आलम मर गया तो क्या शोक, और ख़ानख़ानाँ मर गया तो क्या डर? बादशाह का इक़बाल तो हमारे साथ में है।

इसके अनन्तर वहाँ का प्रबन्ध ठीक होने पर बादशाह के पास पहुँचकर पहले की तरह माली और देश के कार्यों में लग गया।

बंगाल की सूबेदारी- तब ख़ानजहाँ ने बंगाल की सूबेदारी पाई तब राजा टोडरमल भी उसके साथ नियुक्त हुए। इस बार टोडरमल के सौभाग्य से वह प्रान्त हाथ से जाकर फिर अधिकार में चला आया और इन्होंने दाऊद को पकड़कर मार डाला। 21वें वर्ष में उस प्रान्त की लूट को (जिसमें तीन चार सौ भारी हाथी थे) बादशाह के सामने लाए।

गुजरात प्रान्त का प्रबन्ध- गुजरात प्रान्त का प्रबन्ध ठीक नहीं था और वज़ीर ख़ाँ की ढिलाई से वहाँ पर गड़बड़ी और अशान्ति थी। इसलिए राजा टोडरमल को उस प्रान्त का प्रबन्ध करने के लिए नियुक्त किया गया। यह बुद्धिमानी, कार्यदक्षता, वीरता और साहस के साथ सुल्तानपुर और नदरबार से बड़ौदा और चम्पानेर तक का प्रबन्ध ठीक करके अहमदाबाद आए और वज़ीर ख़ाँ के साथ न्याय करने में तत्पर हुए। एकाएक मेहर अली के बहकावे से मिर्ज़ा मुजफ़्फ़र हुसैन का बलवा मच गया। वज़ीर ख़ाँ ने चाहा कि दुर्ग में जा बैठे; पर राजा टोडरमल ने साहस करके उसे युद्ध करने पर उत्साहित किया और 22वें वर्ष में ध्वादर के पास युद्ध की तैयारी की। वज़ीर ख़ाँ ने सैनिकों को भागने से लड़ मरना चाहा और पास ही था कि वह काम आ जाता, पर राजा टोडरमल (कि बाएँ भाग का सरदार था) अपने विपक्षी को भगा कर सहायता को पहुँचा और एक बार ही घमण्डियों के युद्ध का ताना - बाना टूट गया। मिर्ज़ा जूनागढ़ की ओर भागा। उसी वर्ष भाग्यवान राजा टोडरमल दरबार में पहुँचकर अपने मंत्रित्व के काम में लग गया।

शान्ति की स्थापना- जब इसी वर्ष बादशाह का अजमेर से पंजाब जाना हुआ, तब चलाचली में एक दिन राजा टोडरमल की मूर्तियाँ (जब तक उनकी पूजा एक मुख्य चाल पर नहीं कर लेता था, दूसरा काम नहीं करता था) खो गईं। उसने सोना और खानङ्कपान छोड़ दिया। बादशाह ने बहुत कुछ समझा कर इससे अपनी मित्रता प्रदर्शित की। वहाँ से (मंत्रिसभा का कार्य करता था) इस बड़े कार्य के उत्तरदायित्व और कपटी चुगलखोरों के बढ़ने का विचार करके, इसको टोडरमल ने स्वीकार नहीं किया।

प्रधान अमात्य- 26वें वर्ष के आरम्भ (सन 990 हिल) में राजा टोडरमल प्रधान अमात्य नियत हुआ जो अर्थ में वक़ीले कुल के समान है और कुल कार्य उसी की सम्मति से होने लगा। राजा टोडरमल ने कोष और राज्य के कार्यों को नए ढंग से चलाया और कुछ नए नियम भी बनवाए जो बादशाही आज्ञा से काम में लाए जाने लगे। उनका विवरण अकबरनामे में दिया है। 29वें वर्ष में उसका गृह बादशाह के जाने से प्रकाशित हुआ जिनकी प्रतिष्ठा के लिए राजा ने महफिल सजाई थी।

लाहौर के रक्षक- 32 वें वर्ष (सं0 1644 वि0, सन् 1587 ई.) में किसी कपटी खत्री बच्चे ने जो उससे जलता था, रात्रि के समय सवारी में तलवार फेंकी। साथ वालों ने उसे वहीं पर मार डाला। जब राजा बीरबल पार्वत्य प्रदेश स्वाद में मारे गए, तब राजा टोडरमल कुँअर मानसिंह के साथ यूसुफ़जई जाति को दण्ड देने पर नियुक्त हुए। जब 34वें वर्ष में बादशाह हरेङ्कभरे काश्मीर को चले, तब टोडरमल मुहम्मद कुली ख़ाँ बर्लास और राजा भगवंतदास कछ्वाहा के साथ लाहौर के रक्षक नियुक्त हुए। इसी वर्ष (जब बादशाह काशमीर से काबुल चले तब) इन्होंने प्रार्थना पत्र लिखा कि वृद्धावस्था और रोगों ने हमें दबा लिया है और मृत्यु का समय पास आ गया है। इसीलिए यदि छुट्टी पाऊँ तो सबसे हाथ उठा लूँ और गंगा जी के तट पर जाकर प्राण त्यागने के लिए परमेश्वर को याद करूँ। प्रार्थना के अनुसार छुट्टी मिल गई और लाहौर से हरिद्वार को चल दिए। साथ ही दूसरा आज्ञापत्र पहुँचा कि ईश्वर के पूजन से निर्बलों की सेवा नहीं हो सकती; इससे अच्छा है कि मनुष्यों का काम सम्भालो। निरुपाय होने से लौट कर 34वें वर्ष सन् 998 हिद्ध के आरम्भ के ग्यारहवें दिन मर गए।

अल्लामी फहामी अबुल फ़ज़ल इनके बारे में लिखते हैं - यह सच्चाई, सत्यता, कार्यदक्षता, कार्यों में निर्लोभता, वीरता, कादरों को उत्साह दिलाने, कार्य कुशलता, काम लेने और हिन्दुस्थान के सरदारों में अद्वितीय था। पर द्वेषी और बदला लेने वाला था। उसके हृदय के खेत में थोड़ी कठोरता उत्पन्न हो गई थी। दूरदर्शी बुद्धिमान ऐसे स्वभाव को बुरे स्वभावों में गिनते हैं। मुख्यतः राजकीय कार्यों में जहाँ संसारी लोगों का काम उसे सौंपा गया हो। सम्राट के वक़ील नियत हुए थे। यदि उसकी बुद्धितानी के मुख पर धार्मिक कट्टरपन का रंग न होता तो ऐसा अयोग्य स्वभाव न रखता। सच यह है कि धार्मिक कट्टरपन, हठ और द्वेष न रखता और अपनी बातों का पक्ष न लेता तो महात्माओं में से होता। तब भी संसार के और लोगों को देखते हुए वह संतोष, निर्लोभता (उसका बाज़ार लोभ से मिला हुआ है) परिश्रम करने, काम करने और अनुपम क्या अद्वितीय था।

पंजाब एंड सिंध बैंक ने एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव, 7.50% तक का मिलेगा इंटरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दिग्गज बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक ने एफडी ब्याज दर रिवाइज कर दिया है। बैंक ने 15 मार्च 2025 को अपने फिक्स्ड डिपॉजिट (स्नद्ब×द्गस्र ष्ठद्गश्चशह्यद्बह्ल) के ब्याज दरों में बदलाव किया है। आरबीआई द्वारा जारी किए गए रेपो रेट के बाद अब लगातार सभी बैंक ब्याज दर में बदलाव कर रहे हैं।

बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार पंजाब एंड सिंध बैंक 7 दिन से लेकर 10 साल तक की एफडी ऑफर करता है। बैंक की एफडी पर सबसे ज्यादा ब्याज दर 7.50 फीसदी है। वहीं कई एफडी पर बैंक 4 फीसदी से लेकर 6.25 फीसदी ब्याज दर ऑफर करता है।

बैंक 555 दिनों की नॉन कॉलेबल एफडी पर 7.50 फीसदी का ब्याज दर ऑफर कर रहा है।

क्या है नई ब्याज दरें- पंजाब एंड सिंध बैंक ने हाल ही अपने फिक्स्ड डिपॉजिट के ब्याज दर में बदलाव किया है। अब बैंक 7 से 30 दिन वाले एफडी में 4 फीसदी तक ब्याज दर ऑफर कर रहा है। वहीं 31-45 दिनों वाली एफडी में 4.25 फीसदी, 46 से 120 दिन वाले एफडी में 4.50 फीसदी ब्याज दर दिया जा रहा है।

इसके अलावा 121-150 दिन वाले एफडी पर 4.75 फीसदी और 151-179 दिन वाले एफडी में 6 फीसदी ब्याज दर दिया जा रहा है। इसके साथ ही 180 से 269 वाले एफडी में 5.25 फीसदी और 270 से 332 वाले एफडी में 5.50 फीसदी का ब्याज दर ऑफर किया जा रहा है।

वहीं एक साल की एफडी में 6.30 फीसदी, 444 दिन की एफडी पर 7.30 फीसदी ब्याज दर मिल रहा है।

इसके अलावा स्पेशल एफडी के तहत 555 दिन वाली नॉन कॉलेबल वाली एफडी में 7.50 फीसदी और 777 दिन वाली एफडी में 7.25 फीसदी ब्याज ऑफर किया जा रहा है।

इसके साथ ही 555 दिन कॉलेबल में 7.45 फीसदी, 556 दिन पर 6 फीसदी, 22 महीने में 6 फीसदी और 776 लगभग 2 साल में 6.30 ब्याज दर मिल रहा है।

Home या Car Loan कर रहे हैं बंद? ये काम करना है बेहद जरूरी

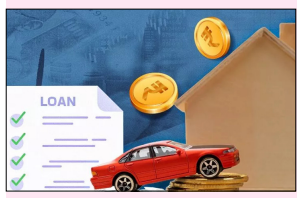

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज महंगाई आम आदमी पर भारी पड़ रही है। वर्तमान में, अपना मनपसंद घर या कार खरीदने के लिए अधिकांश लोग होम या कार लोन का सहारा लेते हैं। ज्यादातर होम लोन लंबी अवधि के लिए होते हैं। इनकी अवधि ज्यादातर 20 साल या इससे कम हो सकती है। इसके अलावा कार लोन की बात करें तो ये ज्यादातर 5 या 7 साल के लिए होते हैं।

लोन की अवधि पूरी होने के बाद उधारकर्ता टेंशन मुक्त हो जाते हैं। हालांकि अभी भी कुछ ऐसे काम बचें है, जिनका पूरा होना बेहद जरूरी है। लोन बंद करते वक्त हमें कुछ बातों का ध्यान रखना काफी जरूरी है।

1. ओरिजिनल डाक्यूमेंट्स वापस लें- कार या होम लोन लेते वक्त उधारकर्ता अपनी कार या घर से जुड़े ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स बैंक या वित्तीय कंपनियों को सबमिट कर देते हैं। इसके अलावा पावर ऑफ अटॉर्नी और कैंसिल चेक इत्यादि जैसे डॉक्यूमेंट्स भी बैंक को जमा कर देते हैं। लेकिन लोन समाप्त होते वक्त हमें इन सभी डॉक्यूमेंट्स को बैंक से प्राप्त कर लेना चाहिए।

अगर आपका लोन बंद होने वाला है, तो बैंक से अनापत्ति प्रमाण पत्र यानी ह्रह्रष्ट लेना ना भूलें। क्योंकि एनओसी के जरिए ये पता चलता है कि बैंक में आपकी कोई बकाया राशि नहीं बची है।

क्या है SIF? म्यूचुअल फंड की स्कीम से कैसे है ये अलग; जानें इससे जुड़ी सभी बातें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेबी ने पिछले साल इस एसेट क्लास को अनुमति दी थी। एसआईएफ को उन लोगों के लिए बनाया गया है, जो हाई रिस्क उठा सकते हैं। ये मौजूदा म्यूचुअल फंड की स्कीम से काफी अलग है। स्पेशलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) के तहत निवेशकों को एडवान्स इनवेस्टमेंट स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करने का अवसर मिलता है।

एसआईएफ के तहत अलग तरह की इनवेस्टमेंट स्ट्रेटजी और एप्रोच अपनाई जाती है। एसआईएफ के तहत निवेशकों को अनुमानित 25 फीसदी तक रिटर्न मिल जाता है। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। इसमें न्यूनतम निवेश राशि 10 लाख रुपये रखी गई है।

इसके साथ ही म्यूचुअल फंड की कई स्कीम में न्यूनतम निवेश राशि 100 रुपये है। वहीं पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज में कम से कम 50 लाख रुपये और अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड्स में कम से कम 1 करोड़ रुपये निवेश करने होते हैं।

स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड एक एसेट क्लास है। ये म्यूचुअल फंड की मौजूदा स्कीम और पीएमएस के बीच में आता है। क्योंकि म्यूचुअल फंड में 100 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं, वहीं पीएमएस के तहत न्यूनतम 50 लाख रुपये तक निवेश किए जा सकते हैं।

जबकि स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड तहत न्यूनतम 10 लाख रुपये तक निवेश किए जा सकते हैं। इसके अलावा अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड के तहत न्यूनतम 1 करोड़ रुपये निवेश करने होते हैं।शेयर बाजार को नियंत्रित करने वाली सेबी ने ये देखा कि पीएमएस और म्यूचुअल फंड की स्कीम के बीच कोई भी स्कीम उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण निवेशक ज्यादा अमाउंट वाली स्कीम में निवेश करते हैं और इससे पैसा डूबने का खतरा ज्यादा बढ़ जाता है।

आपके Ration Card का रंग बताता है जरूरी बातें, जानें अलग-अलग कैटेगरी के फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने आज आम आदमी के हित के लिए कई सरकारी योजनाएं जारी की है। इस योजना के तहत लोगों को आर्थिक और कई तरह की मदद प्रदान की जाती है।

ऐसी ही नेशनल फूड सिक्योरिटी एक्ट के तहत केंद्र सरकार आम आदमी को कम कीमत में या मुफ्त राशन प्रदान करती है। इस फायदे को लेने के लिए व्यक्ति के पास राशन कार्ड होना जरूरी है। सरकार की तरफ से कई तरह के राशन कार्ड दिए जाते हैं। इन राशन कार्ड के अलग-अलग फायदे होते हैं।

कितने रंग के होते है राशन कार्ड- भारत सरकार चार अलग-अलग रंग के राशन कार्ड प्रदान करती है। इस राशन कार्ड को पहचान पत्र की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है। राशन का रंग इससे जुड़े फायदों के बारे में भी बताता है।

गुलाबी या लाल राशन कार्ड ज्यादातर गरीबी रेखा से ऊपर आने वाले परिवारों को दिया जाता है। इस राशन कार्ड के तहत व्यक्ति सामान्य मूल्य पर राशन ले सकता है। इसके अलावा इस राशन कार्ड के जरिए सब्सिडी भी मिलती है। इस राशन कार्ड के तहत उज्जवला और आवास योजना का लाभ उठाया जा सकता है।

निवेश के जोखिम को कम करने के लिए Asset Allocation Mutual Funds क्यों बेहतर हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्तमान में, इक्विटी मार्केट निवेशकों के लिए चुनौतियों से भरा हुआ है। ऐसे में एसेट एलोकेशन या निवेश को विभिन्न एसेट क्लास में विभाजित करने का महत्व एक बार फिर चर्चा में है। सितंबर 2024 के बाद से, जिन निवेशकों का झुकाव इक्विटी की ओर अधिक था, उनके पोर्टफोलियो में उन निवेशकों की तुलना में अधिक गिरावट देखी गई, जिनके पोर्टफोलियो में इक्विटी, डेट और गोल्ड का संतुलित मिश्रण था।

घरेलू विकास में मंदी के कारण हाई-वैल्यू भारतीय इक्विटी में गिरावट आई है, जबकि कम ब्याज दरों की संभावना ने डेट मार्केट को स्थिर बनाए रखा है। इसके साथ ही, मैक्रोइकॉनॉमिक और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं ने सोने की कीमतों को बढ़ावा दिया है।इस प्रकार, डेट और गोल्ड ने मल्टी-एसेट निवेशकों के नुकसान को सीमित किया है, जिससे न केवल उनकी निवेश यात्रा अधिक स्थिर बनी है, बल्कि भविष्य के पोर्टफोलियो रिटर्न की संभावनाओं में भी सुधार हुआ है।

इतिहास भी इस प्रवृत्ति की पुष्टि करता है– इक्विटी, डेट और गोल्ड के बीच सह-संबंध लगातार देखा गया है। जब एक एसेट क्लास खराब प्रदर्शन करता है, तो दूसरे एसेट का अच्छा प्रदर्शन उसकी भरपाई कर सकता है।

हालांकि, कई निवेशक भीड़ के प्रभाव में आकर ट्रेंडिंग या हाल ही में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास में निवेश कर देते हैं, यह भूलकर कि हर एसेट क्लास समय-समय पर आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार ऊपर-नीचे होता रहता है।महामारी के बाद के वर्षों में, इक्विटी मार्केट ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई भी एसेट क्लास हमेशा एक ही दिशा में नहीं चलता।

सेक्शन 80C के तहत ऐसे बचता है आपका टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त वर्ष 2024-25 बहुत जल्द खत्म होने वाला है। नया वित्त वर्ष 2025-26, 1 अप्रैल 2025 से शुरू होगा। इसलिए अगर आपने अभी तक टैक्स सेविंग नहीं की है, तो आपके पास 31 मार्च 2025 तक का समय है।

कई टैक्सपेयर्स आज भी टैक्स भरने के लिए पुरानी आयकर व्यवस्था चुनते हैं। पुरानी आयकर व्यवस्था के तहत आप सेक्शन 80सी के अंतर्गत 1.5 लाख रुपये तक टैक्स डिडक्शन का फायदा उठा सकते हैं। वहीं नई आयकर व्यवस्था के तहत कुछ ही टैक्स डिडक्शन्स का फायदा मिलता है।

टैक्सपेयर्स के बीच टैक्स सेविंग या डिडक्शन्स को लेकर सेक्शन 80सी काफी पॉपुलर माना जाता है। कई लोग टैक्स पेय करते वक्त इस सेक्शन का फायदा उठाते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बीयू की परीक्षाएं एक अप्रैल से, स्मार्ट वॉच-ब्ल्यूटूथ मिला तो रद्द होगी परीक्षा

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) की यूजी की प्रथम से तीसरे वर्ष की परीक्षाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। प्रायोगिक परीक्षाएं 13 मार्च से शुरू कर दी गई हैं। बीयू के बीए, बीएससी, बीकाम, बीएससी (होम साइंस), बीए मैनेजमेंट, बीबीए, बीसीए, बीपीईएस के प्रथम वर्ष और तीसरे वर्ष की सैद्धांतिक परीक्षाएं एक अप्रैल से शुरू होंगी। वहीं पीजी की सेमेस्टर परीक्षाएं मई में आयोजित होंगी।इन परीक्षाओं में करीब 1.80 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। प्रदेश के आठ जिलों में संबद्ध कालेजों के लिए इस बार परीक्षाओं के दौरान नकल पर रोक के लिए बीयू ने कड़े आदेश जारी किए हैं।

अगर कोई विद्यार्थी नकल करते पकड़ाया या किसी के पास स्मार्ट फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण पाए गए तो उत्तरपुस्तिका जब्त कर विवि को

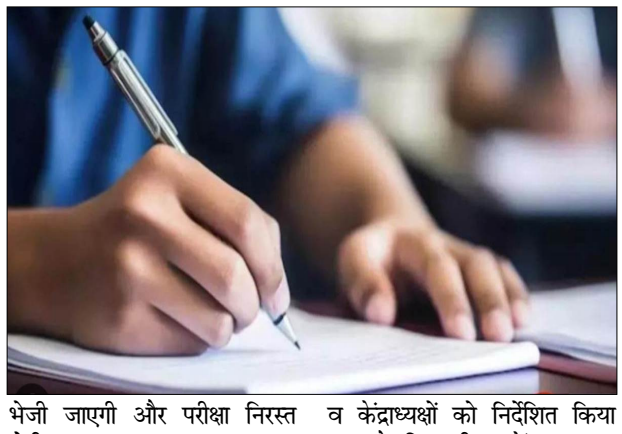

भेजी जाएगी और परीक्षा निरस्त होगी।

इसके अलावा अगर परीक्षा शुरू होने के बाद कोई विद्यार्थी आधे घंटे बाद परीक्षा कक्ष से बाहर जाता है तो उसे दूसरी उत्तरपुस्तिका दी जाएगी। विवि ने परीक्षा के संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। परीक्षार्थी की तलाशी ली जाएगी

बीयू ने सभी कॉलेजों के प्राचार्य व केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा केंद्र पर हर परीक्षार्थी की तलाशी ली जाए।

प्रतिबंधित सामग्री जैसे पुस्तकें, गाइड,मोबाइल, हस्तलिखी सामग्री,स्मार्ट वॉच, इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि को बाहर ही जमा करा ली जाए। इसे आलमारी में बंद किया जाएगा।

यदि परीक्षा कक्ष में विद्यार्थी के पास नकल सामग्री प्राप्त होती है तो अनुचित साधन प्रतिवेदन फार्म पर जानकारी भरकर विद्यार्थी से हस्ताक्षर कराना है।

अनुचित साधन फार्म पर वीक्षक या केंद्रध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर कराकर उत्तरपुस्तिका को पैकेट में बंद कर भेजे जाएं। केंद्र कम बनाए जाएंगे ताकि निगरानी सख्ती से होबीयू इस बार नकल प्रकरण पर रोक के लिए उड़नदस्तों की टीम को तैनात किया है और विवि में कंट्रोल रूम बनाया जाएगा।इसके माध्यम से परीक्षार्थियों की निगरानी की जाएगी।

साथ ही अधिक निगरानी के लिए इस बार केंद्रों की संख्या कम की जाएगी। इससे सख्ती से निगरानी की जा सके। वहीं जिन केंद्रों पर सिर्फ 50 या 60 विद्यार्थी शामिल होते थे।

उन केंद्रों को बंद किया जाएगा।विवि प्रबंधन इस बार परीक्षा केंद्रों को दिए जाने वाले खर्च को कम करेगा।

बेटी के ससुराल पक्ष ने की मारपीट तो पिता ने पिया एसिड, मौत

बुरहानपुर। शहर के लालबाग थाना क्षेत्र स्थित उपकार नगर निवासी प्रदीप गायकवाड़ ने रविवार को एसिड पी लिया था। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक व अन्य लोगों से मारपीट करने, आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दरअसल आत्महत्या का यह मामला प्रदीप की पुत्री गायत्री गायकवाड़ के प्रेम विवाह से जुड़ा है।गायत्री ने आठ दिन पूर्व घर से भाग कर सलीम कालोनी निवासी गौरव महाजन के साथ प्रेम विवाह कर लिया था। इसके बाद से ही दोनों गायब थे। इस मामले में समझौता करने के लिए गौरव के स्वजन को अपने घर बुलाया था। बातचीत के दौरान उन्होंने कई बार प्रदीप से कहा कि उन्हें बेटी के घर से भागने के बाद ही आत्महत्या कर लेनी चाहिए थी।साथ ही घर में तोड़फोड़ और जमकर मारपीट भी की थी। इसी से क्षुब्ध होकर प्रदीप ने एसिड पी लिया था।स्वजन ने तुरंत उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन उसकी मौत हो गई। मारपीट में मृतक के भाई मनोज और उसकी पत्नी रत्ना गायकवाड़ को भी चोटें आई हैं।पुलिस के अनुसार मृतक के छोटे भाई की पत्नी रूपाली गायकवाड़ की शिकायत पर अतुल महाजन, सचिन महाजन, कैलाश महाजन, अनिल महाजन निवासी सलीम कालोनी बुरहानपुर, अमोल महाजन, योगेश महाजन, सपना महाजन निवासी करजोद रावेर महाराष्ट्र, वैशाली महाजन निवासी अहिरवाड़ी रावेर महाराष्ट्र के खिलाफ नामजद व अन्य लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115 (2), 191 (2), 324 (5) के तहत केस दर्ज किया गया है। सोमवार शाम तक किसी आरोपित की गिरफ्तारी नहीं हो पाई थी। पुलिस उनकी तलाश में सलीम कालोनी पहुंची थी, लेकिन कोई भी घर में नहीं मिला।

रंगपंचमी पर बिलासपुर में उड़ेंगे गुलाल, 19 मार्च को धूमधाम से मनाया जाएगा पर्व

बिलासपुर। होली के उल्लास के बाद अब रंगपंचमी की तैयारियां जोरों पर हैं। इस वर्ष 19 मार्च को अंचल में रंगपंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। यह पर्व होली के पांचवें दिन आता है और विशेष रूप से बिलासपुर शहर सहित ग्रामीण अंचल में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

शहर के प्रमुख बाजारों में रंग, गुलाल, पिचकारियों और अन्य सामग्री की दुकानों पर फिर से भीड़ लगेगी। गोलबाजार, सिटी कोतवाली, शनिचरी बाजार और तेलीपारा में दुकानें सजेंगी। शहर के विभिन्न सांस्कृतिक संगठनों द्वारा रंगपंचमी के अवसर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक नृत्य, संगीत और रंगारंग झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। स्थानीय समितियां मिलकर सड़कों पर रंगोत्सव का आयोजन करेंगी। जहां लोग एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर पर्व का आनंद लेंगे।बच्चों और युवाओं में खास उत्साह

बच्चों और युवाओं में रंगपंचमी को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। बच्चों में खासा उत्साह है। त्योहार के मद्देनजर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। बिलासपुर में रंगपंचमी का पर्व सामाजिक समरसता, भाईचारे और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। शहर और ग्रामीण अंचल में इस पर्व की धूम देखते ही बनती है, जहां लोग मिलजुलकर रंगों के इस त्योहार का आनंद लेते हैं।

ग्रामीण अंचल में भी जोर-शोर से तैयारी

बिलासपुर के आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी रंगपंचमी का विशेष महत्व है। गांवों में इस दिन सामूहिक होली मिलन समारोह आयोजित किए जाते हैं। इसे धूल पंचमी भी कहा जाता है। जहां लोग ढोलक, मंजीरा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ फाग गीत गाते हैं। पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बनता है।होली मिलन समारोह की धूम

रंगों के त्योहार होली की मस्ती अभी थमी नहीं है। शहर में विभिन्न संगठनों, संस्थानों और सामाजिक समूहों की ओर से होली मिलन समारोह का सिलसिला जारी है। इन आयोजनों में लोग आपसी भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर बधाइयां दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ बांगला अकादमी द्वारा टिकरापारा स्थित बंग भवन में 228वीं मासिक साहित्य संगोष्ठी का आयोजन होली मिलन एवं वसंत उत्सव के रूप में किया गया। इस दौरान कविता पाठ, समूह व एकल संगीत, नाटक, नृत्य एवं वसंत पर परिचर्चा जैसे विविध मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।होली पर जेपी हाईट्स विकास समिति द्वारा शुभम विहार वार्ड 15 के पार्षद नितिन पटेल का भव्य नागरिक अभिनंदन किया गया। गोकुलधाम जेपी हाइट्स और शुभमविहार में संस्कार और संस्कृति को जीवंत रखते हुए तिलक और फूलों की होली धूमधाम से मनाई गई। इस उत्सव में रंगों की जगह परंपरागत रूप से फूलों और तिलक का प्रयोग किया गया, जिससे माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बन गया।

कूनो की जंगल में बढ़ गया चीतों का कुनबा, चार शावकों के साथ गामिनी को छोड़ा

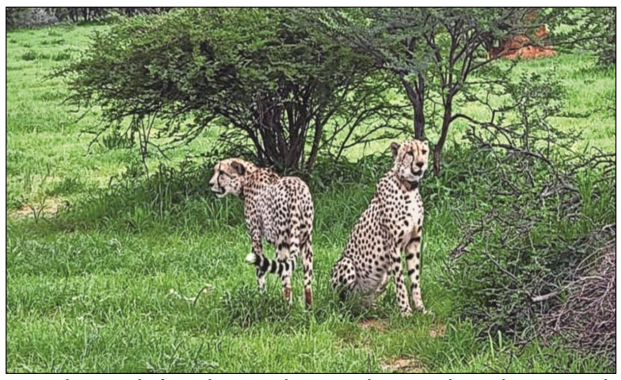

श्योपुर। कूनो के खुले जंगल में चीतों का कुनबा बढ़ता जा रहा है। सोमवार को दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी और उसके 4 शावकों को खुले जंगल में छोड़ा गया। जिससे खुले जंगल में चीतों की संख्या बढ़कर 17 हो गई। अब बाड़े से ज्यादा चीते खुले जंगल में हो गए हैं, इसलिए सफारी के दौरान पर्यटकों को चीतों के दीदार आसानी से होंगे। इससे पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स एकाउंट पर पोस्ट शेयर कर कहा कि आज का दिन चीता प्रोजेक्ट के लिए उल्लेखनीय दिन है।बता दें कि, दक्षिण अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने 10 मार्च 2024 को छह शावकों को जन्म दिया था, लेकिन बाद में दो शावकों की मौत हो गई। तब से गामिनी और उसके चार शावक बाडे में बंद थे।

सोमवार को कूनो प्रबंधन ने गामिनी और उसके चार शावकों जिनमें 2 नर और 2 मादा हैं, इनकी उम्र 12 महीने है।

सफलतापूर्वक कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में खजूरी वन क्षेत्र में छोड़ा गया है। मां और चारों शावक स्वस्थ हैं। खजूरी वन क्षेत्र अहेरा पर्यटन ज़ोन का हिस्सा है।

अब पर्यटन क्षेत्र में चीतों की उपस्थिति के कारण पर्यटकों को सफारी यात्रा के दौरान चीता देखने का अवसर मिल सकता है।

वन विभाग ने गामिनी और उसके शावकों को कालर आईडी पहनाई इससे खुले जंगल में उनकी निगरानी की जा सकेगी।

पर्यटक यहां से देख सकते हैं चीतों को

टिकटोली गेट से प्रवेश करने के बाद, पर्यटक चीतों का करीब से दीदार कर सकते हैं। क्योंकि ज्वाला और उसके उसके शावक, आशा, धीरा और आशा के शावकों को खजूरी वन क्षेत्र में छोड़ा गया था।

ये वन क्षेत्र टिकटोली गेट के नजदकी हैं। सिर्फ अग्नि और वायु को पीपलवाड़ी गेट पर छोड़ा गया है।

अब गामिनी और उसके शावकों को भी इसी क्षेत्र में छोड़ा गया है अधिक चीते इस एरिये में ही घूम रहे हैं।

इसलिए पर्यवकों को चीते आसानी से दिखाई दे सकते हैं। अभी जिन पर्यटकों को चीते दिखे हैं वह क्षेत्र में दिखाई दिए हैं।

टिकटोली इलाके में वन्यजीव, नदी, झरने और आकर्षक नज़ारे हैं, इसलिए पर्यटक भी इधर घूमना ज्यादा पंसद करते हैं।

खुले जंगल में फर्राटा भरेगा रफ्तार का राजा...मध्यप्रदेश पर्यटन के लिए एक और गौरव का क्षण आया है; आज कूनो-पालपुर नेशनल पार्क में मादा चीता गामिनी और उसके चार शावकों को बड़े बाड़े से सफलतापूर्वक कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल खजूरी वन क्षेत्र में रिलीज किया गया है। कूनो के जंगलअब खुले जंगल में आजाद घूम रहे 17 चीता 4 दिसंबर 2024 को अग्नी और वायु और खुले जंगल में छोड़ा गया था। इसके बाद 5 फरवरी को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने आशा, धीरा और आशा के तीन शावकों को खुले में छोड़ा था।

बिहार स्थापना दिवस पर इंदौर में 22 मार्च को 5000 से अधिक प्रवासी बिहार के लोगों का होगा समागम

इंदौर। आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के इंदौर कार्यालय में प्रवासी बिहारी समुदाय के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में भाजपा के प्रदेश संगठन मंत्री राघवेंद्र गौतम और शहर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने सहभागिता की। बैठक में इंदौर में निवासरत बिहार मूल के नागरिकों एवं अप्रवासी बिहारी समाज के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों विशेष रूप से पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह, शम्भुनाथ सिंह, मैथिल समाज के हेमंत झा, सुभाष झा, भोजपुरी समाज के अनेकों पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

भाजपा संगठन मंत्री राघवेंद्र गौतम ने बताया कि 22 मार्च को बिहार स्थापना दिवस के अवसर पर भाजपा के तत्वावधान में देश के 76 शहरों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस परिपेक्ष में मध्य प्रदेश में इंदौर और भोपाल शहरों में विशेष आयोजन होंगे। इंदौर के कार्यक्रम में पटना के सांसद रविशंकर प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और प्रवासी बिहारी समुदाय के साथ संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 5000 से अधिक लोगों की उपस्थिति की संभावना है। कार्यक्रम का संचालन हेमंत झा ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन शंभूनाथ सिंह द्वारा किया गया । ठाकुर जगदीश सिंह ने भाजपा की इस पहल की सराहना की और प्रवासी बिहारी समुदाय को एकजुट करने के प्रयासों की प्रशंसा की। पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान मध्य प्रदेश के महासचिव के के झा ने कहा कि यह आयोजन देशभर में बसे 2 करोड़ से अधिक प्रवासी बिहारी समुदाय को अपने मूल राज्य से जोड़ने और आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे प्रवासी बिहारी अपने राज्य के विकास और राजनीतिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

MP High Court ने कहा- कोई भी पति पत्नी की अश्लील चैटिंग बर्दाश्त नहीं कर सकता

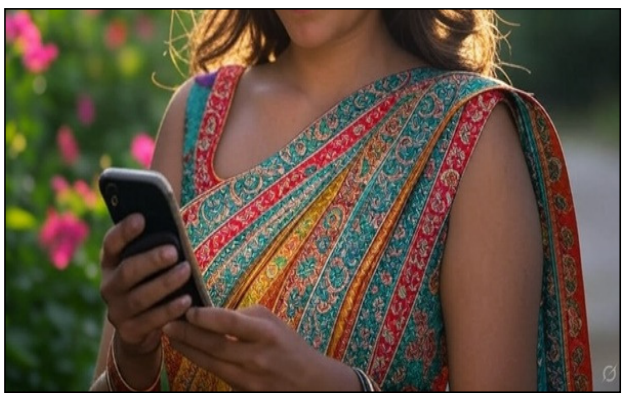

इंदौर। शादी के बाद पति और पत्नी को आजादी होती है कि वो अपने फोन पर जिससे चाहे चैटिंग करें, लेकिन इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि आप किस तरह की बातें कर रहे हैं। कोई पति यह स्वीकार नहीं करेगा कि उसकी पत्नी अपने दोस्त के साथ मोबाइल पर अश्लील चैटिंग कर रही है।

अगर आपत्ति के बावजूद पति या पत्नी ऐसी बातें करना जारी रखते हैं तो यह निश्चित रूप से दूसरे साथी के लिए मानसिक क्रूरता की वजह बनेगा। इस टिप्पणी के साथ हाई कोर्ट ने कुटुंब न्यायालय के फैसले को यथावत रखते हुए अपील निरस्त कर दी। यह है मामला

दंपती का विवाह वर्ष 2018 में हुआ था। पति का आरोप था कि विवाह के तुरंत बाद पत्नी ने उसकी मां के साथ दुर्व्यवहार शुरू कर दिया। डेढ़ माह बाद ही ससुराल छोड़कर चली गई। पति का यह आरोप भी था कि पत्नी शादी के बाद अपने पुराने प्रेमी से मोबाइल पर चैटिंग करती थी।

वॉट्सएप पर हुई बातें अश्लील थीं- दोनों की वॉट्सएप पर हुई बातें अश्लील थीं। इधर पत्नी का कहना था कि जिन पुरुष से उसकी चैटिंग होने का आरोप लगाया जा रहा है, उसका उनसे कोई संबंध नहीं है। पति ने उसका मोबाइल हैक कर लिया था और उसके खिलाफ सबूत बनाने के लिए उन दो पुरुषों को उसी ने मैसेज किए थे।

पत्नी का यह भी कहना था कि पति ने उनके फोन से चैट निकाल कर उनकी निजता के अधिकार का उल्लंघन किया है। कुटुंब न्यायालय ने फैसले में कहा था कि पत्नी के खिलाफ पति के आरोप सही हैं। इसके चलते कोर्ट ने पति की ओर से प्रस्तुत तलाक की याचिका को स्वीकार कर लिया था।

निजी पैथोलॉजी संचालकों ने निक्षय मित्र बन टीबी के 42 मरीजों को फूड बास्केट दिए

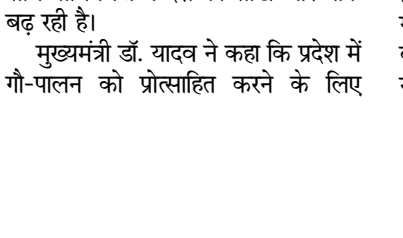

खण्डवा। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगातावत के निर्देशन में टी.बी. मुक्त भारत अभियान अंतर्गत चलाये जा रहे 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान के तहत गुरुवार को सीएमएचओ कार्यालय में श्री डायग्नोस्टिक सेंटर, सोडानी डायग्नोस्टिक सेंटर, परीक्षण लेब,ऑल इज वेल हॉस्पिटल, दीप पैथोलॉजी लैब के संचालकों ने निक्षय मित्र बनकर 42 मरीजों को फूड बास्केट दिए।

जिला क्षय अधिकारी डॉ. शक्ति सिंह राठौड़ ने बताया की भारत सरकार ने यह निश्चय किया है कि वर्ष 2025 तक भारत में टीबी को मिटाया जाए।वर्ष 2025 तक टी.बी. मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया जा चुका है। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार ने निक्षय मित्र योजना की शुरुआत की है। निक्षय मित्र योजना केंद्र सरकार की ऐसी योजना है, जिसके अंतर्गत क्षय रोग से पीड़ित व्यक्ति को गोद लिया जाता है। गोद लेने का कार्य कोई भी निजी संस्था, राजनीतिक ग्रुप, सामान्य नागरिक कर सकता है। इस योजना के अंतर्गत आप किसी भी टीबी रोग से पीड़ित मरीज को गोद ले सकते हैं।

प्रदेश के नगरों के सुव्यवस्थित विकास के लिये महत्वपूर्ण निर्णय

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगिक विकास और निवेशकों को बढ़ावा देने के साथ-साथ नगरों के सुव्यवस्थित विकास के लिये महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। राज्य में 2 मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (महानगर) की कार्यवाही नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा की जा रही है। पहला मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र इंदौर-उज्जैन-देवास और धार को मिलाकर विकसित करने की कार्यवाही चल रही है। इसी प्रकार दूसरा मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा (राजगढ़) को मिलाकर विकसित करने की कार्यवाही चल रही है। इनके गठन से मध्यप्रदेश को एक आर्थिक विकास केन्द्र के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

क्षेत्रीय आर्थिक विकास केन्द्र- केन्द्र सरकार के विजन के अनुरूप, राज्य के प्रमुख संभाग मुख्यालय ग्वालियर, सागर, रीवा, जबलपुर, नर्मदापुरम और शहडोल को क्षेत्रीय आर्थिक विकास केन्द्र (रीजनल इकॉनामिक ग्रोथ हब) के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार का यह प्रयास प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ रोजगार, व्यापार और निवेश के नये अवसरों को भी बढ़ावा देगा।

टीडीआर पोर्टल- प्रदेश की नगरीय क्षेत्र की भूमि बहुमूल्य संसाधन है, जिसका सुव्यवस्थित उपयोग शहरी विकास के लिये अति आवश्यक है। इसी को ध्यान में रखते हुए टीडीआर (ट्रांसफर ऑफ डेवलपमेंट राइट्स) नियम बनाये गये हैं। इन नियमों के क्रियान्वयन के लिये ऑनलाइन प्रक्रिया निर्धारित की गयी है।

ऑनलाइन प्रक्रिया के लिये टीडीआर पोर्टल तैयार किया गया है। यह पोर्टल भवन निर्माताओं और सम्पत्ति मालिकों को विकास अधिकारों के हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करता है। इससे उन्हें मुआवजे के रूप में अतिरिक्त निर्माण क्षमता प्राप्त होती है।

ग्रीन एफएआर कॉन्सेप्ट- ग्रीन एफएआर कॉन्सेप्ट को इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी के अंतर्गत हरित क्षेत्र, वूडेड क्षेत्र और सिटी फॉरेस्ट के विकास के लिये प्रस्तुत किया गया है। यह कॉन्सेप्ट न केवल शहरी सौंदर्य को निखारेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

इंटीग्रेडेट टाउनशिप पॉलिसी- राज्य सरकार ने सतत शहरी विकास को प्रोत्साहित करने के लिये इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी-2025 बनायी है। इस नीति का उद्देश्य निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से सुव्यवस्थित, आधुनिक और आत्मनिर्भर टाउनशिप विकसित करना है। यह नीति बेहतर बुनियादी सुविधाएँ, हरित आवासीय क्षेत्र और स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देगी। इस नीति में लैण्ड पूलिंग कॉन्सेप्ट को भी अपनाया गया है, जिससे भूमि स्वामियों को उचित मुआवजे के साथ विकास में भागीदारी का अवसर मिलेगा। प्रदेश में भवन निर्माण की अनुमति को प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेही व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिये ऑटोमेटिक बिल्डिंग परमीशन और अप्रूवल सिस्टम विकसित किया गया है। प्रदेश में अब तक 2 लाख 60 हजार आवेदनों को स्वीकृत किया गया है।

जनसामान्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ उनकी आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी प्रतिबद्ध है सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार जनसामान्य की मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ उनकी आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी कार्य कर रही है। विश्व में भारत की पहचान हमारे आध्यात्मिक विचारों तथा जियो और जीने दो के सिद्धांत को व्यवहार में क्रियान्वित करने से निर्मित हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भिंड में स्थित अतिशय क्षेत्र बरासों में सुमेरु पर्वत निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम को राजकीय विमानतल भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। बरासों में 414 फीट ऊंचे सुमेरू पर्वत का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की ख्याति सबको जीने का हक देने वाले देश के रूप में रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व में, जीवन के सभी क्षेत्रों में गौरव अर्जित कर रहा है। भारतीय ज्ञान परम्परा के आध्यात्मिक तेज के साथ-साथ विश्व में देश की साख और धाक बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में गौ-पालन को प्रोत्साहित करने के लिए

विशेष पहल की जा रही है। प्रदेश में दूध उत्पादन के साथ-साथ दूध के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन पर गौ-पालकों को प्रोत्साहन राशि देने की व्यवस्था की गई है। गौ-शालाओं को दिए जा रहे अनुदान को भी बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश का स्थान भारत में तीसरा है, हमारा प्रयास प्रदेश को देश में नंबर वन बनाने का है।

दूध पर 5 रूपए प्रति लीटर बोनस की व्यवस्था की जाएगी, इससे कृषकों की आय बढ़ेगी और समाज सम्पन्न होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बरासों में बनाए जाने वाले स्कूल, कॉलेज, अस्पताल सहित अन्य जनकल्याण कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति के माध्यम से ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी विशेष नवाचार किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बरासों के ऐतिहासिक, पुरातात्विक और धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।

भिंड के बरासों में आयोजित कार्यक्रम को नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, दिगम्बर संत आचार्य श्री 108 सुबल सागर जी महाराज, परम पूज्य रामदास जी महाराज ने भी संबोधित किया। मंत्री श्री शुक्ला ने यहां बनने वाली गौ-शाला, विद्यालय और अस्पताल आदि के लिए दान देने वाले दानदाताओं तथा अन्य सहयोगियों का आभार माना। आचार्य श्री 108 सुबल सागर जी महाराज ने कहा कि सात्विक, सदाचारी, शाकाहारी मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में धर्म, संस्कृति और अध्यात्म के क्षेत्र में गतिविधियों का विस्तार हुआ है।

जिले के 5 उपस्वास्थ्य केंद्रों को भारत सरकार से मिला गुणवत्ता प्रमाण पत्र

खण्डवा। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने व बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के उद्देश्य से स्वास्थ्य संस्थाओं का केन्द्रीय स्तर पर मूल्यांकन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि विगत दिनों में खंडवा जिले के उपस्वास्थ्य केन्द्र रोहणी, सुंदरदेव, मलगांव, सलाई व निहालवाड़ी का केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की राष्ट्रीय गुणवत्ता मूल्यांकन प्रणाली की टीम द्वारा वर्चुअल रुप से मूल्यांकन किया गया था। जिसके परिणामस्वरुप इन सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के आधार पर गुणवत्ता प्रमाण पत्र दिया गया है। डॉ. जुगतावत ने जिले व ब्लॉक के टीम को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए इसी प्रकार बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। गौरतलब हो कि पूर्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र किल्लौद, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचगोहन, जावर, पुरनी एवं उपस्वास्थ्य केन्द्र अत्तर, रुस्मतपुर, थापना, जसवाड़ी, सावखेड़ा, अमलपुरा, नहाल्दा, अहमदपुर खैगांव आदि।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

19 मार्च को नगर निगम द्वारा किया जाएगा नगर गैर का भव्य आयोजन, शहरवासी सादर आमंत्रित - महापौर

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा सोमवार को महापौर कार्यालय ग्राण्ड होटल पर नगर गैर आयोजन समिति संयोजक श्री प्रकाश शर्मा, एमआईसी सदस्य श्री शिवेन्द्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्रीमती दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी, डॉ. योगेश्वरी राठौर, श्री सत्यनारायण चौहान श्री अनिल गुप्ता, श्री कैलाश प्रजापत, श्री जितेन्द्र कुंवाल, श्रीमती सुगन बाई बाघेला एवं उपायुक्त एवं नोडल अधिकारी श्री योगेन्द्र पटेल के साथ नगर गैर आयोजन हेतु की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में उपायुक्त एवं नोडल अधिकारी श्री योगेन्द्र पटेल द्वारा अवगत कराया गया कि नगर गैर आयोजन की अनुमति एवं कानून व्यवस्था हेतु कलेक्टर जिला उज्जैन, सुरक्षा व्यवस्था हेतु पुलिस अधीक्षक को, चिकित्सीय व्यवस्था हेतु सीएमएचओ को तथा महाकाल मंदिर में भगवान श्री महाकालेश्वर को गुलाल अर्पित कर पुजन अर्चन किये जाने की अनुमति हेतु विधिवत पत्र प्रेषित की दिए गए है। हर्बल गुलाल एवं कलर हेतु विधिवत निविदा प्रक्रिया पूर्ण की जाकर 20 क्विंटल गुलाल, 30 किलो कलर, सेंट, 4 डीजे, 3 फायर फायटर, तासा पार्टी, 2 वाटर लॉरी, 1 ध्वज वाहन, 1 ओपन जीप, 1 स्प्रींकल वाहन, 1 पीकप वाहन, 1 बैण्ड, गुलाल उड़ाने हेतु ब्लोबर, नागरिकों के स्वल्पाहार हेतु भजिये एवं ठण्डाई, पेयजल व्यवस्था, गोपाल मंदिर पर फव्वारे इत्यादि की व्यवस्था की जा रही है।

बैठक में महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया कि गैर का आयोजन भव्यता के साथ किया जाए जिसका शहर की जनता भरपूर आनंद ले सकें।

महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव एवं निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा उज्जैन के सभी शहरवासियों से अपील कि है कि वे हमारे शहर की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करने के लिए, नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा नगर गैर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 19 मार्च को प्रातः 9 बजे बाबा महाकाल के आँगन से प्रारम्भ होगा। आइए हम सब मिलकर इस आयोजन को सफल बनाएं और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध बनाएं।

उज्जैन सीए ब्रांच ने होली मिलन में किया महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार

उज्जैन। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा मार्च माह को विमेंस एम्पावरमेंट मंथ के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में उज्जैन शाखा द्वारा महिला सशक्तिकरण पर सेमिनार एवं होली मिलन का आयोजन किया गया।

सेमिनार में मिसेज ब्यूटी एम.पी. 2022 प्रतिभा शर्मा एवं पॉश ट्रेनर एवं एडवोकेट रुचिरा नेरकर ने सभी को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन सीए अंकिता जैन, सीए आस्था ओरा, सीए निधि मनीष राठी एवं सीए रजनी गुप्ता द्वारा किया गया। उज्जैन ब्रांच के चेयरमैन सीए आकृत जैन ने बताया कि आईसीएआई द्वारा विभिन्न सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, और यह आयोजन भी उसी श्रृंखला का एक हिस्सा है।

कार्यक्रम में उज्जैन के अलावा देवास के सीए मेंबर्स ने भी भाग लिया। इस अवसर पर उज्जैन ब्रांच के वाइस चेयरमैन सीए आशीष तोतला, सचिव सीए अनीश चौधरी, कोषाध्यक्ष सीए मनीष राठी, सीआईसीएएसए चेयरमैन सीए रितेश तलरेजा एवं सीपीई कंवीनर सीए आतुष जैन ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद दिया।

कल होगा गोपाल मंदिर पर रापट रोलिया.....

उज्जैन । रंगपंचमी के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार कल मालवी रापट रोलिया का आयोजन द्वारकाधीश भगवान श्री कृष्ण के आंगन में सुबह 9 बजे से किया जाएगा जिसमें मथुरा वृंदावन की तरह शहरवासी होली खेलेंगे । स्वर्णिम भारत मंच के द्वारा नगर गैर का भी स्वागत किया जाएगा ।

कार्यक्रम संयोजक जयंत सिंह गौर ने बताया कि स्वर्णिम भारत मंच के तत्वावधान में गोपाल मंदिर पर रंगपंचमी उत्सव पर मालवी रापट रोलिया का आयोजन कल सुबह 9 बजे से किया जाएगा । जिसमें शहर वासी देशी होली खेलेंगे। कृष्ण के आंगन में मथुरा वृंदावन की तरह रहेगी धूम यूं तो शहर में रंगपंचमी पर कई आयोजन होते पर गोपाल मंदिर होने वाले रापट रोलिया का आयोजन कई मायने में अनूठा है ।

चांदी की पिचकारी से होली खेलेंगे बाबा गुमानदेव हनुमान

उज्जैन। पिपलीनाका रोड स्थित अति प्राचीन बाबा गुमानदेव हनुमान मंदिर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी रंगोत्सव का दिव्य आयोजन आज 18 मार्च मंगलवार को रात्रि 8 बजे से किया जाएगा।

मंदिर के गादीपति पंडित चंदन श्याम नारायण व्यास ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी रंगोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसमें बाबा गुमानदेव हनुमान जी महाराज को शास्त्रोक्त रीति से मंत्रोच्चार के साथ अबीर एवं गुलाल लगाकर होली खेलेंगे। चांदी की पिचकारी से टेसू के पुष्पों द्वारा तैयार किया रंग बाबा गुमानदेव हनुमान जी को अर्पित किया जाएगा। पश्चात प्रसाद स्वरूप शाही ठंडाई का वितरण किया जावेगा। समिति के लोगों ने नगर के सभी गणमान्य श्रद्धालुओं से इस आयोजन में शामिल होने का निवेदन किया है।

मनुष्य के सेवा कार्यों से सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन होता है - आचार्य शैलेन्द्र पाराशर

उज्जैन। समाज सेवा के लिए मनुष्य को अंतःकरण से जुड़ने वाले शुद्ध विचारों की आवश्यकता रहती है। जब वह मानव सेवा के बारे में सोचता हैं, तब उसके मन में सेवा का विचार जन्म लेतें हैं, तब वे उसे सेवा कार्यो के लिए प्रेरित कर सेवाभावी संस्थाओं से जोड़तें हैं। मनुष्य के सेवा कार्यो के परिवर्तन से समाज में सकारात्मक परिवर्तन होता है।

उक्त प्रेरक उद्बोधन मुख्य अतिथि वक्ता सार्वभौम मानव विकास संस्थान के अध्यक्ष आचार्य शैलेन्द्र पाराशर ने लायन्स क्लब नागदा द्वारा आयोजित जन्मेजय, लायन्स क्लब नागदा, गोल्ड लायन्स क्लब नागदा अविध्न के दायित्व ग्रहण समारोह में संबोधित करते हुए अनेक संवेदनशील हृदय स्पर्शी प्रसंगों के माध्यम से अभिव्यक्त किये। मुख्य अतिथि वक्ता आचार्य शैलेंद्र पाराशर का मोतियों की माला श्रीफल स्मृति चिन्ह एवं उत्तरीय ओढ़ाकर मंचासीन अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। शपथ-ग्रहण समारोह एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ उपप्रांतपाल डिस्ट्रिक्ट 3233-जी2 के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में रीजन चेयरपर्सन लायन रवि बंसल, एमजेएफ लायन छाया लोखण्डे, झोन चेयरपर्सन लायन लता अग्रवाल, डि. चेयरपर्सन लायन सुशील पोरवाल मंचासीन थे।

लायन्स क्लब नागदा जन्मेजय के अध्यक्ष लायन सुल्तानसिंह शेखावत, नागदा गोल्ड के अध्यक्ष लायन पी.डी. शुक्ला तथा नागदा अविध्न के अध्यक्ष लायन मनीष गेहलोत एवं उनकी टीम को मुख्य अतिथि एमजेएफ लायन वशिष्ठ द्वारा दायित्व ग्रहण करवाते हुए लायन्स के संथापक लायन मेल्विन जोन्स की तस्वीर के समक्ष शपथ दिलाई। अपने विचार व्यक्त करते हुए भविष्य की गतिविधियों के कार्यो हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

शपथ-ग्रहण के पश्चात तीनों अध्यक्षों ने अपनी आगामी कार्ययोजना से सदन को अवगत कराया। डिस्ट्रिक्ट द्वारा लायन्स क्लब नागदा गोल्ड को डायबिटिज चेकअप केम्प हेतु मशीन प्रदान की। लायन्स ऑफ नागदा के पॉच अध्यक्षों ने एमजेएफ लायन वशिष्ठ को सम्मानित किया।

लायन्स डिस्ट्रिक्ट 3233-जी2 के आगामी नेतृत्व, महाकाल इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के डायरेक्टर एमजेएफ शिक्षाविद लायन प्रविण वशिष्ठ के शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य एवं हेतु का दुपट्टा ओढाकर, श्रीफल एवं अभिनन्दन पत्र भेंट कर लायन्स ऑफ नागदा के पांचों अध्यक्षों द्वारा सम्मानित किया गया।

भगवान चित्रगुप्त को मोतीचूर के लड्डूओं का भोग लगाकर की महाआरती

उज्जैन। चैत्र माह कृष्ण पक्ष दूज (द्वितीय) तिथि पर अंकपात क्षेत्र स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर में महाआरती कर मोतीचूर के लड्डूओं का भोग लगाया गया। साथ ही होली की भाई दूज के महापर्व पर बहन ने भाई को तिलक लगाकर लंबी उम्र की कामना भगवान चित्रगुप्तजी से की।

मीडिया प्रभारी मंगेश श्रीवास्तव ने बताया कि चित्रगुप्त मंदिर सार्वजनिक न्याय ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव ने सभी कायस्थ समाज से आग्रह किया कि 4 मई को भगवान चित्रगुप्तजी के प्रकट उत्सव कार्यक्रम में सभी कायस्थ समाज के लोग बढ़-चढ़कर एवं मिल- जुलकर कर भाग लें। साथ ही उसी दिन चित्रगुप्त मंदिर प्रांगण में कायस्थ समाज का युवक एवं युवती परिचय सम्मेलन रखा गया है जिसमें उज्जैन शहर के ही नहीं पूरे मध्य प्रदेश के कायस्थ समाज के युवक युवती परिचय सम्मेलन में सम्मिलित हो सकते हैं। कायस्थ समाज के परिवारों से आग्रह किया कि अपने घर में जो युवक एवं युवती है, जल्द से जल्द कायस्थ समाज चित्रगुप्त मंदिर प्रांगण में वे अपना पंजीयन कराएं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com